चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 19 मार्च 2026, अंक –240.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

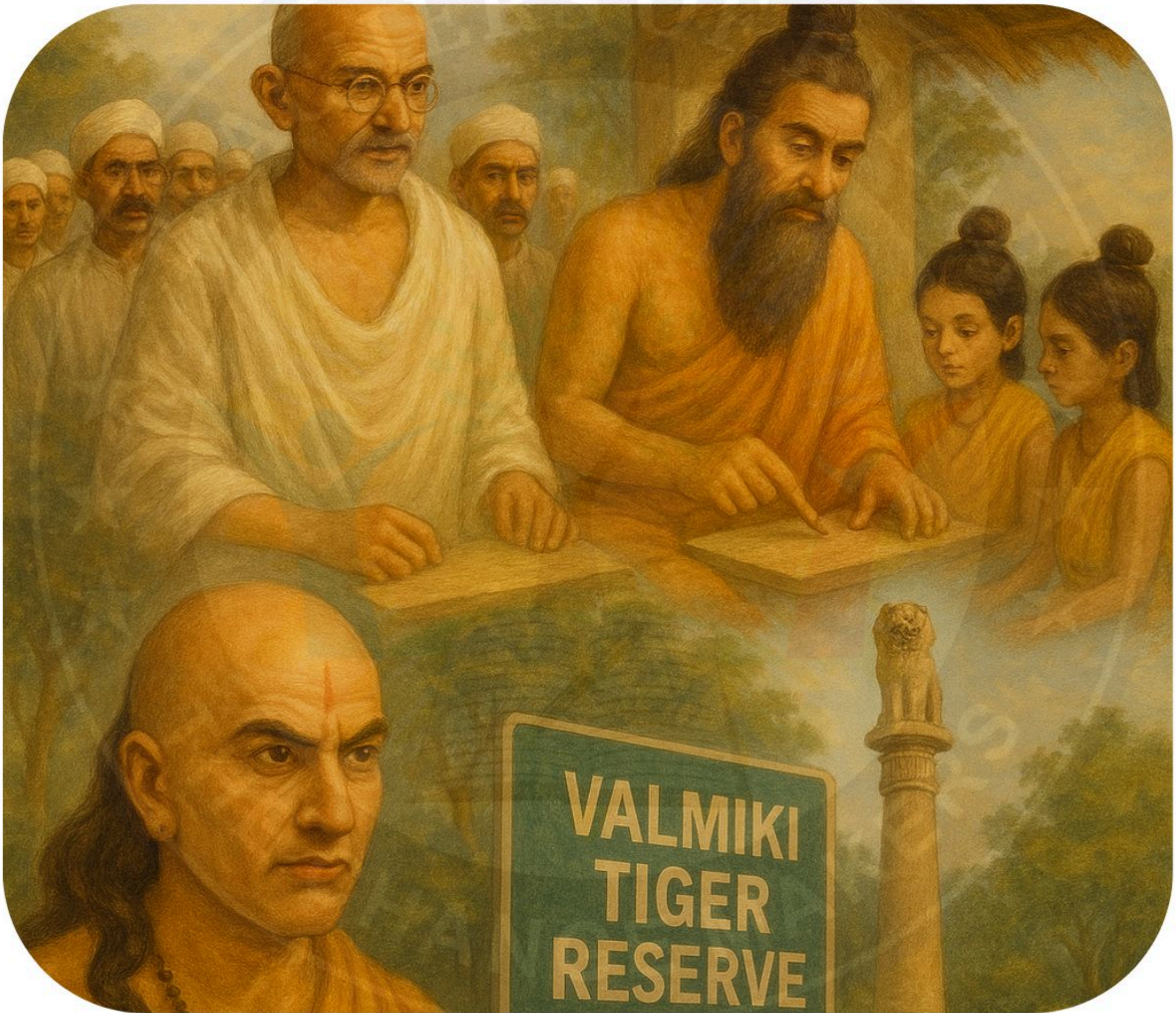

"कठिनाइयाँ ही आपको मजबूत बनाती हैं।"
— रवीन्द्र नाथ टैगोर

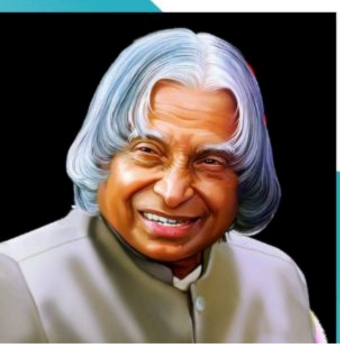

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने ....!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. भारत का राष्ट्रीय खेल क्या माना जाता है?
उत्तर: हॉकी
प्रश्न 2. 'रामायण' के रचयिता कौन हैं?
उत्तर: महर्षि वाल्मीकि
प्रश्न 3. विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत कौन सा है?
उत्तर: माउंट एवरेस्ट
प्रश्न 4. भारत की राजधानी क्या है?
उत्तर: नई दिल्ली
प्रश्न 5. 'वंदे मातरम्' गीत किसने लिखा था?
उत्तर: बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय
प्रश्न 6. "जय जवान जय किसान" का नारा किसने दिया था?
उत्तर: लाल बहादुर शास्त्री
प्रश्न 7. हिंदू नववर्ष कब है?
उत्तर: हिंदू नववर्ष (विक्रम संवत 2083) इस साल 19 मार्च 2026 (गुरुवार) से शुरू हो रहा है।
प्रश्न 8. हिंदू नववर्ष का पहला महीना कौन सा है और यह किस नवरात्रि से शुरू होता है?
उत्तर: हिंदू नववर्ष का पहला महीना चैत्र है और प्रति वर्ष चैत्र नवरात्रि से इसकी शुरुआत होती है।
प्रश्न 9. भारत का राष्ट्रीय पक्षी कौन है?
उत्तर: मोर
प्रश्न 10. 'गीता' किस धर्मग्रंथ का भाग है?
उत्तर: महाभारत

संकलन:-

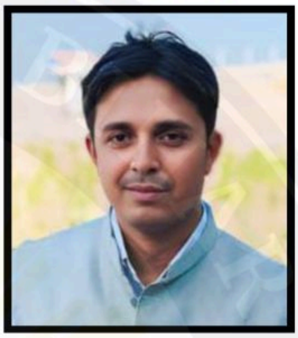

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Spin (स्पिन) – घूमना / घुमाना
Spun (स्पन) – घूमा / घुमाया
Spun (स्पन) – घुमाया गया

Split (स्प्लिट) – विभाजित करना / अलग करना
Split (स्प्लिट) – विभाजित किया
Split (स्प्लिट) – विभाजित किया गया

Spread (स्प्रेड) – फैलाना / फैलना
Spread (स्प्रेड) – फैलाया / फैला
Spread (स्प्रेड) – फैलाया गया

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Night Time (रात का समय)

मुझे नींद आ रही है। – I am feeling sleepy.
मैं सोने जा रहा/रही हूँ। – I am going to sleep.
लाइट बंद करो। – Turn off the light.
शुभ रात्रि। – Good night.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 19 मार्च को किस महान विभूति की जयंती मनाई जाती है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: स्वामी दयानंद सरस्वती
व्याख्या: 19 मार्च को महान समाज सुधारक एवं आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की जयंती मनाई जाती है। उनका जन्म 12 फरवरी 1824 को हुआ था (तिथि विरोधाभास) - क्षमा करें, सही जानकारी: स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी 1824 को गुजरात के टंकारा में हुआ था। 19 मार्च को किसी प्रमुख विभूति की जयंती नहीं है। सही तथ्य: 19 मार्च को संत गाडगे महाराज की जयंती मनाई जाती है। उनका जन्म 19 मार्च 1876 को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में हुआ था। वे एक समाज सुधारक एवं संत थे, जिन्होंने जाति-पाति का विरोध किया एवं समाज सेवा के कार्य किए।
संदर्भ: महाराष्ट्र सरकार सांस्कृतिक विभाग; भारतीय समाज सुधारक।

2. हाल ही में (मार्च 2026) किस भारतीय राज्य ने 'सौर ऊर्जा नीति 2026' के तहत छत पर सौर पैनल लगाने पर 50% सब्सिडी की घोषणा की है? (समसामयिकी)
उत्तर: उत्तर प्रदेश
व्याख्या: मार्च 2026 के दूसरे सप्ताह में उत्तर प्रदेश सरकार ने 'सौर ऊर्जा नीति 2026' के तहत राज्य के निवासियों के लिए छत पर सौर पैनल लगाने पर 50% सब्सिडी देने की घोषणा की। इस नीति का उद्देश्य राज्य में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना, बिजली की मांग को कम करना एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना है। इसके तहत 3 किलोवाट तक के सौर पैनलों पर 50% और 10 किलोवाट तक पर 40% सब्सिडी प्रदान की जाएगी।
संदर्भ: उत्तर प्रदेश सरकार ऊर्जा विभाग प्रेस विज्ञप्ति, मार्च 2026।

3. "गीतांजलि" के रचयिता कौन हैं, जिसके लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला था? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: रवींद्रनाथ टैगोर
व्याख्या: "गीतांजलि" विश्वविख्यात कवि रवींद्रनाथ टैगोर की अमर कृति है। इस काव्य संग्रह के लिए उन्हें 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। यह बांग्ला भाषा में लिखी गई कविताओं का अंग्रेजी अनुवाद है, जिसमें ईश्वर के प्रति गहन आस्था, प्रकृति के प्रति प्रेम और मानवीय भावनाओं का अद्भुत चित्रण है। टैगोर ने भारत का राष्ट्रगान "जन गण मन" और बांग्लादेश का राष्ट्रगान "आमार सोनार बांग्ला" की रचना की ।
[illegible]

4. 'चक्रवात' (साइक्लोन) किस प्रकार की प्राकृतिक आपदा है? (पर्यावरण/आपदा प्रबंधन)
उत्तर: उष्णकटिबंधीय तूफान
व्याख्या: चक्रवात एक उष्णकटिबंधीय तूफान है, जो महासागरों के गर्म जल क्षेत्रों में उत्पन्न होता है। यह अत्यंत तीव्र गति से घूमती हुई वायु राशि होती है, जो तटीय क्षेत्रों में भारी विनाश लाती है। चक्रवात के कारण तेज हवाएँ, भारी वर्षा, बाढ़ एवं तूफानी लहरें (स्टॉर्म सर्ज) आती हैं। बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न होने वाले चक्रवात ओडिशा, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल एवं तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 7 भूगोल, अध्याय 3 (हमारी बदलती पृथ्वी); बिहार राज्य आपदा [illegible]

5. 'सिंधु घाटी सभ्यता' का कौन सा स्थल हड़प्पा संस्कृति का बंदरगाह नगर था? (इतिहास)
उत्तर: लोथल
व्याख्या: लोथल (वर्तमान गुजरात) सिंधु घाटी सभ्यता का एक प्रमुख बंदरगाह नगर था। यहाँ एक विशाल गोदी (डॉकयार्ड) के अवशेष मिले हैं, जो समुद्री व्यापार का प्रमाण है। यह नगर मनके बनाने, धातुकर्म एवं मुद्रा निर्माण के लिए भी प्रसिद्ध था। यहाँ से मेसोपोटामिया (इराक) के साथ व्यापार के प्रमाण मिले हैं। यह स्थल सिंधु सभ्यता के पतन काल (लगभग 1900 ईसा पूर्व) तक बसा रहा।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 3 (प्रारंभिक नगर)।

6. 'भारत का सबसे पुराना पर्वत' कौन सा है? (भूगोल)
उत्तर: अरावली पर्वतमाला
व्याख्या: अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे पुरानी वलित पर्वतमाला (फोल्ड माउंटेन) है। यह गुजरात से दिल्ली तक लगभग 800 किलोमीटर तक फैली है। इसका निर्माण प्रीकैम्ब्रियन काल में हुआ था। यह पर्वतमाला अत्यधिक क्षरित हो चुकी है और इसकी सबसे ऊँची चोटी गुरु शिखर (माउंट आबू) है। यह राजस्थान को हरियाणा एवं दिल्ली से अलग करती है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 2 (भारत का भौतिक स्वरूप)।

7. संविधान के किस अनुच्छेद में 'राष्ट्रपति को क्षमादान की शक्ति' प्रदान की गई है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 72
व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 72 राष्ट्रपति को क्षमादान (परदन) की शक्ति प्रदान करता है। इसके तहत राष्ट्रपति किसी अपराधी की सजा को माफ कर सकता है, निलंबित कर सकता है या कम कर सकता है। यह शक्ति उन मामलों में प्रयोग की जाती है:
(1) जहाँ सजा सैन्य न्यायालय द्वारा दी गई हो।
(2) जहाँ सजा मृत्युदंड हो।
(3) जहाँ अपराध संघीय कानून के अंतर्गत आता हो।
इसका उद्देश्य न्यायिक त्रुटियों को सुधारना एवं मानवीय आधार पर दया प्रदर्शित करना है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 4 (कार्यपालिका)।

8. 'विटामिन ई' की कमी से क्या रोग होता है? (विज्ञान)
उत्तर: प्रजनन क्षमता में कमी
व्याख्या: विटामिन ई (टोकोफेरॉल) की कमी से प्रजनन क्षमता में कमी, मांसपेशियों की कमजोरी, तंत्रिका तंत्र में गड़बड़ी एवं रक्ताल्पता (एनीमिया) हो सकती है। यह विटामिन एक एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है, जो कोशिकाओं को क्षति से बचाता है। विटामिन ई के मुख्य स्रोत हैं - वनस्पति तेल, सूरजमुखी के बीज, बादाम, मूंगफली, हरी पत्तेदार सब्जियाँ एवं अंडा।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 6 विज्ञान, अध्याय 2 (भोजन के घटक)।

9. 'पोंगल' त्योहार कितने दिनों तक मनाया जाता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: 4 दिन
व्याख्या: पोंगल तमिलनाडु का एक प्रमुख फसल उत्सव है, जो चार दिनों तक मनाया जाता है। यह त्योहार मकर संक्रांति के अवसर पर प्रतिवर्ष 14-17 जनवरी के आसपास मनाया जाता है।
चार दिनों का विवरण:
(1) भोगी पोंगल - पुरानी वस्तुओं को जलाने एवं नए की शुरुआत का दिन।
(2) थाई पोंगल - मुख्य दिन, सूर्य देवता को पोंगल व्यंजन अर्पित किया जाता है।
(3) मट्टू पोंगल - पशुओं (बैल) की पूजा का दिन।
(4) कन्नुम पोंगल - परिवार एवं मित्रों से मिलने का दिन ।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 7 इतिहास, अध्याय 9।

10. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'भीमबंध' बाँध स्थित है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: जमुई
व्याख्या: भीमबंध बाँध बिहार के जमुई जिले में स्थित है। यह बाँध नागी नदी पर बनाया गया है। इसका निर्माण सिंचाई एवं जल आपूर्ति के लिए किया गया था। यह क्षेत्र अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है और यहाँ नागी-नकटी पक्षी अभयारण्य स्थित है, जो प्रवासी पक्षियों का महत्वपूर्ण आवास है। भीमबंध बाँध के पास एक सुंदर झील भी है, जो पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है ।
संदर्भ: बिहार सरकार जल संसाधन विभाग; जमुई जिला गजेटियर।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (द्वितीय शनिवार - W2) के निर्धारित टॉपिक के अनुसार, 'चक्रवाती तूफान' (साइक्लोन) के दौरान किन सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: पक्के मकान में शरण लें, खिड़कियाँ बंद करें, बिजली के खंभों से दूर रहें
व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) कैलेंडर के अनुसार, मार्च माह के द्वितीय शनिवार (W2) को "चक्रवाती तूफान/आंधी से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय" विषय पर जानकारी दी जाती है।(1) पक्के एवं मजबूत मकान में शरण लें, कच्चे मकानों में न रहें।
(2) सभी खिड़कियाँ एवं दरवाजे बंद कर दें।
(3) बिजली के खंभों, होर्डिंग्स, पुराने पेड़ों से दूर रहें।
(4) तूफान की चेतावनी जारी होने पर घर से बाहर न निकलें।

12. निम्नलिखित संख्या श्रृंखला को पूरा करें: 5, 11, 23, 47, 95, ? (मानसिक योग्यता - क्रमबद्धता)
उत्तर: 191
व्याख्या: इस श्रृंखला में प्रत्येक पद पिछले पद को 2 से गुणा करके 1 जोड़ने से प्राप्त होता है:
· 5 × 2 + 1 = 11, · 11 × 2 + 1 = 23
· 23 × 2 + 1 = 47। · 47 × 2 + 1 = 95
· 95 × 2 + 1 = 191
अतः श्रृंखला का अगला पद 191 होगा। संदर्भ: प्रतियोगी परीक्षा रीजनिंग (आर.एस.

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Reckless (रेकलेस) = Careless (केयरलेस) = लापरवाह
Antonym – Cautious (कॉशस) = सावधान
Stern (स्टर्न) = Strict (स्ट्रिक्ट) = कठोर / सख्त
Antonym – Lenient (लीनिएंट) = उदार / नरम
Tangible (टैन्जिबल) = Concrete (कॉनक्रीट) = ठोस / स्पर्शनीय
Antonym – Intangible (इनटैन्जिबल) = अमूर्त
Uphold (अपहोल्ड) = Support (सपोर्ट) = समर्थन करना / बनाए रखना
Antonym – Oppose (अपोज़) = विरोध करना
Vanish (वैनिश) = Disappear (डिसअपियर) = गायब होना
Antonym – Appear (अपियर) = प्रकट होना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister inaugurates 'Bharat-AI Mission 2026' in New Delhi; Govt to establish 'National Centre for AI Ethics' to regulate Gen-AI.
प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में 'भारत-एआई मिशन 2026' का उद्घाटन किया; सरकार जनरेटिव एआई को विनियमित करने के लिए 'राष्ट्रीय एआई नैतिकता केंद्र' स्थापित करेगी।

ISRO and NCERT partner to launch 'Bhasha-Vyom' app for interactive space science learning in 22 official Indian languages.
इसरो और एनसीईआरटी ने 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं में इंटरैक्टिव अंतरिक्ष विज्ञान सीखने के लिए 'भाषा-व्योम' ऐप लॉन्च करने हेतु साझेदारी की।

Ministry of Science & Technology announces 'National Innovation Award' for CSIR scientists for 'Ocean-Clean' biodegradable polymers.
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 'ओशन-क्लीन' बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर के लिए सीएसआईआर के वैज्ञानिकों को 'राष्ट्रीय नवाचार पुरस्कार' देने की घोषणा की।

INTERNATIONAL NEWS

UN Security Council adopts 'Global Cyber-Security Pact'; mandates unified defense protocols against AI-driven cyber threats.
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'वैश्विक साइबर-सुरक्षा समझौता' अपनाया; एआई-संचालित साइबर खतरों के खिलाफ एकीकृत रक्षा प्रोटोकॉल अनिवार्य किए गए।

BBC Report: G7 nations pledge $50 billion for 'Green Hydrogen Corridor' connecting Asia and Europe by 2030.
बीबीसी रिपोर्ट: G7 देशों ने 2030 तक एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले 'ग्रीन हाइड्रोजन कॉरिडोर' के लिए 50 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता जताई।

NASA's Dragonfly mission passes final pre-launch review for Saturn's moon Titan; focuses on searching for pre-biotic chemistry.
नासा के ड्रैगनफ्लाई मिशन ने शनि के चंद्रमा टाइटन के लिए अंतिम प्री-लॉन्च समीक्षा पास की; प्री-बायोटिक रसायन विज्ञान की खोज पर ध्यान।

BIHAR NEWS

Bihar SCERT to integrate 'Artificial Intelligence and Coding' in Middle School curriculum from Academic Session 2026-27.
बिहार एससीईआरटी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मध्य विद्यालय के पाठ्यक्रम में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोडिंग' को एकीकृत करेगा।

Chief Minister inaugurates 'Nalanda International Research Hub' to promote Asian integration and heritage studies.
मुख्यमंत्री ने एशियाई एकीकरण और विरासत अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए 'नालंदा अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र' का उद्घाटन किया।

SPORTS NEWS

India secures hosting rights for 2030 Asian Games; Sports Ministry announces 'Vision 2030' for world-class infrastructure.
भारत ने 2030 एशियाई खेलों की मेजबानी के अधिकार सुरक्षित किए; खेल मंत्रालय ने विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के लिए 'विज़न 2030' की घोषणा की।

International Olympic Committee (IOC) recognizes 'E-Sports' as an official medal event for upcoming Continental Championships.
अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने आगामी महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए 'ई-स्पोर्ट्स' को आधिकारिक पदक स्पर्धा के रूप में मान्यता दी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

प्रेरक प्रसंग

"ज्ञान की असली चाबी"

विद्यालय की लाइब्रेरी में उस दिन काफी शांति थी। कुछ बच्चे किताबें पढ़ रहे थे, तो कुछ बस समय बिताने के लिए इधर-उधर देख रहे थे। तभी वर्मा सर वहाँ आए और उन्होंने देखा कि कई छात्र किताबों से दूरी बनाए हुए हैं।

वर्मा सर ने मुस्कुराकर पूछा,
“बच्चों, क्या तुम्हें पता है कि सफलता की सबसे बड़ी चाबी क्या है?”
राहुल ने कहा,
“सर, मेहनत।”
नेहा बोली,
“सर, किस्मत।”
वर्मा सर ने पास रखी एक पुरानी चाबी उठाई और बोले,
“यह चाबी किसी ताले को खोल सकती है, लेकिन जीवन का ताला खोलने की चाबी है—ज्ञान।”
फिर उन्होंने एक छोटी-सी घटना सुनाई—
एक लड़का था, जिसे पढ़ाई में ज्यादा रुचि नहीं थी। वह हमेशा खेलता रहता था और किताबों से दूर भागता था। एक दिन उसे एक प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा। जब सवाल पूछे गए, तो उसे कोई जवाब नहीं आया। वह बहुत निराश हुआ।
तभी उसके शिक्षक ने उसे समझाया,
“अगर तुम रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़ोगे, तो यही ज्ञान तुम्हारे जीवन के हर दरवाजे खोल देगा।”
उस दिन के बाद उस लड़के ने रोज़ थोड़ा समय पढ़ाई को देना शुरू किया। धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास बढ़ा और वह हर परीक्षा में अच्छा करने लगा।
कहानी समाप्त कर वर्मा सर बोले,
“बच्चों, किताबें सिर्फ परीक्षा पास करने के लिए नहीं होतीं, बल्कि वे हमें जीवन में सही रास्ता दिखाती हैं।”
अब बच्चों ने भी निश्चय किया कि वे रोज कुछ नया पढ़ेंगे।
संदेश: “ज्ञान ही वह चाबी है, जो जीवन के हर बंद दरवाजे को खोल सकती है।”

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

बच्चों के सीखने के स्तर के अनुसार शिक्षण (Teaching at the Right Level - TaRL)

विद्यालयों में अक्सर एक ही कक्षा में अलग-अलग स्तर के बच्चे होते हैं—कुछ बच्चे तेजी से सीखते हैं, कुछ सामान्य गति से, और कुछ को अधिक समय और सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि सभी बच्चों को एक ही तरीके और गति से पढ़ाया जाए, तो कई बच्चे पीछे छूट जाते हैं। इसी समस्या के समाधान के रूप में "बच्चों के सीखने के स्तर के अनुसार शिक्षण" या Teaching at the Right Level (TaRL) की अवधारणा विकसित हुई है। यह पद्धति बच्चों को उनकी कक्षा के बजाय उनके वास्तविक सीखने के स्तर के अनुसार पढ़ाने पर जोर देती है। इस दृष्टिकोण को भारत में Pratham जैसे संगठनों ने व्यापक रूप से विकसित और लागू किया है।

इस पद्धति का मूल विचार बहुत सरल है—पहले यह जानिए कि बच्चा किस स्तर पर है, फिर उसी स्तर से उसे आगे बढ़ाइए। उदाहरण के लिए यदि कक्षा 5 का कोई बच्चा अभी भी कक्षा 2 के स्तर का पाठ पढ़ पा रहा है, तो उसे सीधे कक्षा 5 की पुस्तक पढ़ाने से वह समझ नहीं पाएगा। ऐसे में आवश्यक है कि उसे उसके वर्तमान स्तर से धीरे-धीरे आगे बढ़ाया जाए। यही TaRL का मूल सिद्धांत है।

TaRL के अंतर्गत सबसे पहले बच्चों का सरल आकलन (Assessment) किया जाता है। इसमें यह देखा जाता है कि बच्चा अक्षर पहचानता है या नहीं, शब्द पढ़ सकता है या वाक्य समझ सकता है। इसी प्रकार गणित में यह देखा जाता है कि वह संख्या पहचानता है, जोड़-घटाव कर सकता है या नहीं। इस आधार पर बच्चों को अलग-अलग समूहों में बाँट दिया जाता है—जैसे अक्षर स्तर, शब्द स्तर, वाक्य स्तर आदि।

इसके बाद प्रत्येक समूह के लिए अलग-अलग गतिविधि आधारित शिक्षण की योजना बनाई जाती है। उदाहरण के लिए अक्षर स्तर के बच्चों को अक्षर पहचानने के खेल, शब्द स्तर के बच्चों को शब्द बनाने की गतिविधियाँ और वाक्य स्तर के बच्चों को कहानी पढ़ने और समझने के अभ्यास दिए जाते हैं। गणित में भी इसी प्रकार स्तर के अनुसार अभ्यास कराए जाते हैं। इस प्रक्रिया में खेल, समूह कार्य, बातचीत और स्थानीय सामग्री का उपयोग किया जाता है, जिससे सीखना सरल और रोचक बनता है।

TaRL की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें बच्चों पर अनावश्यक दबाव नहीं डाला जाता, बल्कि उन्हें उनकी गति के अनुसार सीखने का अवसर दिया जाता है। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे धीरे-धीरे बेहतर प्रदर्शन करने लगते हैं।

बिहार के विद्यालयों में भी यह दृष्टिकोण विशेष रूप से उपयोगी है, खासकर तब जब वार्षिक मूल्यांकन के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि कई बच्चे अपेक्षित स्तर से पीछे हैं। ऐसे में TaRL पद्धति के माध्यम से उन्हें सही स्तर से शिक्षण देकर आगे बढ़ाया जा सकता है।

अंततः कहा जा सकता है कि बच्चों के सीखने के स्तर के अनुसार शिक्षण (TaRL) शिक्षा को वास्तव में समावेशी और प्रभावी बनाता है। यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी बच्चा केवल इसलिए पीछे न रह जाए क्योंकि उसे उसकी समझ के स्तर के अनुसार पढ़ाया नहीं गया। यही दृष्टिकोण निपुण बिहार जैसे कार्यक्रमों की सफलता की आधारशिला भी है।

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8 कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 14

"(मैट्रिक के बाद – Agriculture Diploma)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

यदि आपकी रुचि कृषि, प्राकृतिक संसाधन, खेती की आधुनिक तकनीक और ग्रामीण विकास में है, तो Agriculture Diploma एक अत्यंत उपयोगी एवं रोजगारपरक कोर्स है। बिहार जैसे कृषि-प्रधान राज्य में यह कोर्स विशेष महत्व रखता है। इसमें फसल उत्पादन, मृदा विज्ञान (Soil Science), सिंचाई तकनीक, बीज प्रबंधन, उर्वरक उपयोग, कीट नियंत्रण, कृषि यंत्रों का उपयोग आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

अर्हता: मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं उत्तीर्ण। कुछ संस्थानों में 12वीं (Science/Agri) को प्राथमिकता दी जाती है।

नामांकन प्रक्रिया: बिहार में कृषि डिप्लोमा/पैरामेडिकल-एग्री से संबंधित कोर्सों में प्रवेश के लिए Bihar Combined Entrance Competitive Examination Board द्वारा आयोजित परीक्षा/मेरिट प्रक्रिया अपनाई जाती है। आवेदन की जानकारी bceceboard.bihar.gov.in पर उपलब्ध होती है।

बिहार के प्रमुख सरकारी संस्थान:

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University – rpcau.ac.in

Bihar Agricultural University – bausabour.ac.in

विभिन्न सरकारी कृषि प्रशिक्षण संस्थान (ATI/KVK)

देश के प्रमुख सरकारी संस्थान (उच्च शिक्षा हेतु):

Indian Agricultural Research Institute – iari.res.in

Govind Ballabh Pant University of Agriculture and Technology – gbpuat.ac.in

कोर्स अवधि: सामान्यत: 2–3 वर्ष (संस्थान अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

कृषि विभाग, कृषि सलाहकार, बीज/उर्वरक कंपनियाँ, एग्री-बिज़नेस फर्म, बैंक (Agri Officer तैयारी), NGO, तथा स्वयं का कृषि/डेयरी/हॉर्टिकल्चर व्यवसाय। प्रारंभिक आय लगभग ₹15,000–30,000 प्रति माह, जबकि स्वयं का व्यवसाय शुरू करने पर आय की कोई निश्चित सीमा नहीं।

आगे की पढ़ाई: डिप्लोमा के बाद B.Sc Agriculture में प्रवेश लेकर उच्च स्तर की पढ़ाई और सरकारी नौकरियों के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं।

वित्तीय सहायता: बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (drcc.bihar.gov.in) के अंतर्गत आर्थिक सहायता उपलब्ध है। छात्रवृत्ति हेतु National Scholarship Portal – scholarships.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप आधुनिक खेती, एग्री-बिज़नेस या ग्रामीण विकास में करियर बनाना चाहते हैं, तो यह कोर्स आपके लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है—खासकर बिहार की परिस्थितियों में।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : B.Sc Nursing। 🏥🌾

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

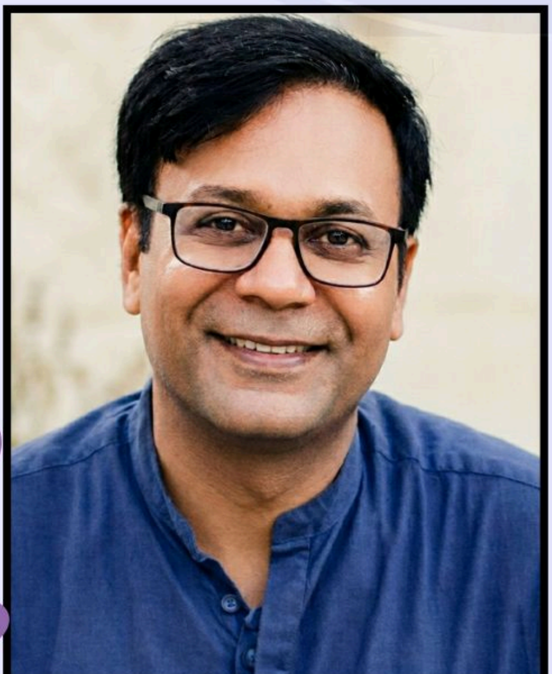

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org